(c) As a matter of policy, such shelters are not provided.

गुजरातम में भावनगर विमानपत्तन की क्षमता का अधिकतम उपयोग किया जाना

371. **श्री गोपाल सिंह जी.सोलंकी**: क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या अन्तराष्ट्रीय उड़ानों के लिये गुजरात के भावनगर विमानपत्तन की क्षमता का अधिकतम उपयोग करने संबंधी गुजरात सरकार का कोई प्रस्ताव सरकार के पास लम्बित हैं;

(ख) यदि हां,तो इस संबंध में क्या कार्रवाई की गयी हैं;

(ग) कया सरकार मुम्बई अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन से उड़ानों का बोझ कम करने के लिये ऐसी उड़ानों का अहमदाबाद और भावनगर विमानपत्तनों से प्रचालन करने पर विचार करेगी;

(घ) क्या देश में अन्य अन्तरर्राष्ट्रीय विमानपत्तनों की तुलना में गुजरात के भावनगर और अहमदाबाद विमानपत्तनों से अन्तरराष्ट्रीय उड़ानों का प्रचालन बहुत कम हैं;और

(ड़) यदि हां,तो उसके क्या कारण हैं?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आज़ाद): (क) जी,नहीं।

(ख)यह प्रश्न नहीं उठता।

(ग) से (ड़) भावनगर और अहमदाबाद हवाई अड्डों को अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का दर्जा नहीं दिया गया हैं। तदनुसार अन्तरराष्ट्रीय एयरलाइनों को इन हवाई अड्डों से प्रचालन की अनुमति नहीं दी जाती। तथापित, इस तथ्य को दृष्टि में रखकर कि भारतीय विमान कम्पनियों को भारत में किसी भी हवाई अड्डे से अन्तरराष्ट्रीय सेवाएं प्रचालित करने की अनुमति दी जाती हैं,एयर इंडिया/इंडियन एयरलाइन्स द्वारा यातायात सम्बन्धी आवश्कयताओं तथा सीमा-शुल्क और आब्रजन सुविधाओं की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद हवाई अड्डे से कुछ अन्तरराष्ट्रीय सेवांए प्रचालित की जा रही हैं।

Problems of Central Government Colonies

372. MAULANA OBAIDULLAH KHAN AZMI: Will the Minister of URBAN AFFAIRS & EMPLOYMENT be pleased to state:

(a) what are the problems of Central Government Colonies as identified by Government;

(b) the problems brought to Government's notice by the Residents Welfare-Associations during 1995 and 1996 so far;

(c) the problems solved so far; and

(e) the manner in which the remaining problems are proposed to be solved and by when?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN AFFAIRS AND EMPLOYMENT DEPARTMENT OF URBAN EMPLOYMENT AND POVERTY ALLEVIATION): (SHRI S.S. AHLUWALIA): (a) In General, the following are the problems of Central Government Colonies:—

(i) problems in the functioning of water supply, sanitary installations and electrical fit-tings,

(ii) Seepage, temporary choking of storm water/sewer lines,

(iii) Water supply at low pressure from supply lines for short durations.

(b) The following problems have been brought to Government's notice during 1995 and 1996 by the Residents Welfare Associations:—

(i) Provisions of additional amenities such as construction of compound walls, loft tanks, curtain roads and pelmets,

(ii) Provision of independent water storage tanks in the quarters where common tanks have been provided in order to improve the water supply,

(iii) Maintenance of parks.

(iv) Repairs of sunshades.

(v) Others pertaining to day to day maintenance like repair of water taps, lines, chokage of taps & sewers, petty repairs like carpantry, Masonary, and electric fittings etc.

(c) (c) (i) Construction of boundary wall in some places has been undertaken to check tres-passing and spread of jhuggi clusters in certain localities.

(ii) Individual water tanks have been provided in a number of quarters in some areas for equitable distribution of water supply.

(iii) Day to day routine maintenance problems are solved as soon as possible.

(iv) Repairs to sunshades.

I (d) (i) The problems are being solved by taking up the works of additional amenities after obtaining sanction of the competent authority and carrying out special repairs in addition to attending day-to-day maintenance jobs.

(ii) This is a continuing process and no time frame can be given. Moreover, the works are carried out subject to availability of funds.

पश्चिमी और उत्तरी राज्यों में पर्यटन की संभावनाओं का पता लगाने संबंधी योजनायें

373. **श्री गोविन्दराम मिरी**: क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने पश्चिमी और उत्तरी राज्यों में पर्यटन की उन संभावनाओं का पता लगाने हेतु आठवीं पंच-वर्षीय योजना के दौरान कोई कदम उठाये हैं जिनका अभी तक दोहन नहीं किया गया हैं;

(ख) यदि हां,तो इस संबंध में राज्य-वार ब्यौरा क्या हैं;और

(ग) नौवीं पंच-वष्रीय योजना के दौरान कौन-कौन से विशेष कदम उठाये जाने का विचार हैं?

गागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आज़ाद): (क) और (ख) जी,हां । आठवीं योजना के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों की गहन विकास के लिए पहचान की गई हैं:-

(1) जैसलमैर-जोधपुर-बीकानेर-बाड़मेर

(2) ऋषिकेश-नरेन्द्र नगर-गंगौत्री-बद्रीनाथ

(3) कुल्लू-मनाली-लेह

(4) मनाली (सोलांग नाला)

(5) कांगड़ा पोंग बांध

(6) विशेष पर्यटन क्षेत्र के रूप में सिंधुदुर्ग तथा दीव ।

(ग) पर्यटक संभावाओं वाले क्षेत्रों की पहचान करना मुख्यत: राज्य सरकारों की जिम्मेवारी हैं तथा यह एक सतत प्रक्रिया हैं । तथापि,भारत सरकार,राज्य सरकारों से प्राप्त विशिष्ट प्रस्तावों पर,उनकी गुणवत्ता.पारस्परिक प्राथमिकता तथा धन की उपलब्धता के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं ।

लम्बित सिंचाई हरियोजनाएं

374. **चौधरी हरमोहन सिंह**: क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच हैं कि कई सिंचाई परियोजनाएं कई वर्षो से लम्बित पड़ी हैं;

(ख) यदि हां,तो ऐसी परियोजनाओं का नाम क्या हैं और ये कब-कब शुरू की गई थीं और इनमें विलम्ब के क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार इन लम्बित परियोजनाओं का हल ढूंढ़ने के लिए सांसदों की एक समिति गठित करने का विचार रखती हैं;

(घ) यदि हां,तो उसका ब्यौरा क्या हैं;और

(ड़) यदि नहीं,तो उसके क्या कारण हैं?

जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी.वी.रंगप्पा नायडू): (क) और(ख) देश में स्वीकृति के लिए लंबित नई,बड़ी एंव मझौली सिंचाई परियोजनाओं का ब्यौरा देते हुए विवरण संलग्न हैं । **(नीचे देखिए)**

(ग) जी नहीं ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

(ड़) ये परियोजनाएं केंन्द्रीय जल आयोग द्वारा परिचालित किए गए दिशा-दिर्नेशों के अनुरूप तैयार न